Website : www.highwaychannel.in

छत्तीसगढ़ का सर्वाधिक प्रसारित शाम का अखबार

हाईवे चैनल

▫ वर्ष- 28 ▫ अंक- 165 ▫ रायपुर, बुधवार 9 जुलाई 2025 ▫ पृष्ठ-8 ▫ मूल्य- 2.50 रुपया • रायपुर • जगदलपुर से प्रकाशित RNI रजिस्ट्रेशन नं. 68139/98

बुद्ध प्रतिमा की स्थापना से बनेगी शांति और समावेशी संस्कृति की नई पहचान

मुख्यमंत्री ने मैनपाट में भगवान बुद्ध की प्रतिमा का किया अनावरण

रायपुर, 9 जुलाई (हाईवे चैनल)। छत्तीसगढ़ में बौद्ध परंपरा की जड़ें अत्यंत गहरी हैं और भगवान बुद्ध के प्रेम, शांति एवं करुणा के संदेश को आत्मसात करते हुए राज्य सरकार विकास के पथ पर अग्रसर है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज सरगुजा जिले के मैनपाट स्थित होटल ग्राउंड परिसर में नवस्थापित भगवान बुद्ध की भव्य प्रतिमा के अनावरण समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने भगवान बुद्ध की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया और प्रदेशवासियों के लिए सुख, समृद्धि एवं शांति की कामना की।

मुख्यमंत्री साय ने अपने संबोधन में इस पावन अवसर पर आमंत्रण के लिए तिब्बती समुदाय के प्रति आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में कई ऐसे स्थल हैं, जहां भगवान बुद्ध की उपासना की जाती है। सिरपुर में बौद्ध, जैन और सनातन परंपराएं एक साथ देखने को मिलती हैं, जो राज्य की समावेशी संस्कृति का अद्वितीय उदाहरण है। मुख्यमंत्री साय ने दलाई लामा जी के 90वें जन्मदिवस का स्मरण करते हुए कहा कि उनका जीवन भगवान बुद्ध की करुणा, प्रेम और शांति के सिद्धांतों का सजीव प्रतीक है। आज की दुनिया के लिए उनका संदेश नई आशा और सकारात्मकता का स्रोत है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित विश्व भर के नेताओं ने दलाई लामा जी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं, जो यह दर्शाता है कि भगवान बुद्ध के विचारों का वैश्विक जीवन पर कितना गहरा प्रभाव है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैनपाट प्राकृतिक सौंदर्य और सांस्कृतिक विविधता से भरपूर स्थल है, जो पर्यटकों को रोमांचित करता है। यहां पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं, और राज्य सरकार इसके समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य की नवीन औद्योगिक नीति में पर्यटन को विशेष प्राथमिकता दी गई है, और मैनपाट जैसे क्षेत्रों में होम स्टे सुविधा शुरू करने वालों को विशेष प्रोत्साहन प्रदान किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने तिब्बती सहकारी समिति की मांग पर मैनपाट स्थित सैला रिसॉर्ट से बौद्ध मंदिर तक सीसी रोड निर्माण के लिए 10 लाख रुपये तथा प्राचीन बौद्ध मंदिर में शेड निर्माण के लिए 20 लाख रुपये की घोषणा की। मुख्यमंत्री साय ने इस अवसर पर पौधरोपण किया। उल्लेखनीय है कि कार्यक्रम में पारंपरिक तिब्बती रीति-रिवाजों के अनुसार मुख्यमंत्री का आत्मीय स्वागत किया गया। हाथों में तिरंगा लिए लोगों ने उत्साहपूर्वक मुख्यमंत्री से मुलाकात की, जिससे वातावरण उल्लासमय हो गया। कार्यक्रम में सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज, सीतापुर विधायक रामकुमार टोप्पो, कलेक्टर विलास भोसकर, सेटलमेंट अधिकारी सुस्वांग यांग्सो, तिब्बती सहकारी समिति के अध्यक्ष तामदिंग सेरिंग, मठ प्रमुख लामा दुब्जे, लामा जिनपा सहित तिब्बती समुदाय के बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित थे।

- **मुख्यमंत्री ने की 30 लाख रुपए के विकास कार्यों की घोषणा, सीसी रोड और मंदिर शेड निर्माण को दी मंजूरी**
- **तिब्बती रीति-रिवाजों के अनुरूप आत्मीय स्वागत से मुख्यमंत्री हुए अभिभूत**

वरिष्ठ नेताओं से मिला मार्गदर्शन भविष्य के लिए लाभकारी : साय

भाजपा प्रशिक्षण शिविर का आज तीन सत्रों में समापन

छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले के मैनपाट में आयोजित तीन दिवसीय भाजपा सांसद-विधायक प्रशिक्षण शिविर का आज समापन होगा. इस शिविर में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के साथ कई कैबिनेट मंत्री, विधायक और सांसद हिस्सा लेंगे. शिविर का उद्घाटन 7 जुलाई को भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने किया था, जबकि समापन सत्र में राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष ने जनप्रतिनिधियों को संबोधित करेंगे. केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को समापन सत्र में शामिल होना था, लेकिन खराब मौसम और लौटने में संभावित देरी के कारण उनका दौरा अंतिम समय पर रद्द हो गया. आज शिविर के अंतिम दिन तीन सत्र आयोजित किया जाएगा. पहले सत्र में 'हमारा विचार परिवार, पंच परिवर्तन एवं शताब्दी वर्ष की योजना' पर चर्चा में प्रांत प्रचारक अभय राम ने वक्तव्य दे रहे हैं. दूसरा सत्र 'जिज्ञासा एवं समाधान' पर केंद्रित होगा, जिसमें बीएल संतोष ने जनप्रतिनिधियों के सवालों का जवाब और पार्टी की रणनीति पर मार्गदर्शन देंगे. समापन सत्र में 'देश के सम्मुख चुनौतियों के समाधान में भाजपा की भूमिका' पर विचार-मंथन होगा. मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शिविर को लेकर कहा है कि भाजपा में प्रशिक्षण की परंपरा रही है. समय-समय पर मंत्रियों, सांसदों और विधायकों का प्रशिक्षण आयोजित किया जाता है. यह सतत सीखने की प्रक्रिया है, जो जनप्रतिनिधियों को बेहतर ढंग से काम करने में मदद करती है. तीन दिनों तक हमें वरिष्ठ नेताओं का मार्गदर्शन मिला, जो भविष्य में लाभकारी सिद्ध होगा.

वायु सेना का लड़ाकू विमान क्रैश, मलबे से एक शव बरामद

राजस्थान के चुरू में हुआ हादसा

नई दिल्ली, 9 जुलाई (न्यूज चैनल)। राजस्थान के चूरू जिले के रतनगढ़ क्षेत्र के भानुदा गाँव के पास मंगलवार को भारतीय वायु सेना का एक जगुआर लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। एक प्रत्यक्षदर्शी के अनुसार, दुर्घटनास्थल पर एक शव भी देखा गया। घटना के बाद, राजलदेसर पुलिस स्टेशन की एक टीम तुरंत घटनास्थल पर भेजी गई। हताहतों या क्षति के बारे में और अधिक जानकारी का इंतज़ार है क्योंकि अधिकारी अपनी प्रारंभिक जाँच शुरू कर रहे हैं। दुर्घटना स्थल से घना धुआं उठता देखा गया तथा दृश्यों में विमान पूरी तरह जला हुआ दिखाई दे रहा है। पुलिस और ज़िला प्रशासन की टीमें घटनास्थल पर पहुँच गई हैं। फ़िलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि विमान में कितने लोग सवार थे, और अभी तक किसी के हताहत होने की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। भारतीय सेना और वायुसेना के अधिकारी घटनास्थल पर पहुँच रहे हैं और बचाव अभियान जारी है। अधिकारियों ने दुर्घटना के सही कारणों का पता लगाने के लिए जाँच शुरू कर दी है।

ब्रेकिंग न्यूज

2 महिला नक्सलियों को किया गिरफ्तार, लॉन्चर, टिफिन बम समेत कई विस्फोटक सामग्री बरामद

नारायणपुर, 9 जुलाई (हाईवे चैनल)। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए दो महिला नक्सलियों को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार नक्सली पारो हप्का और सुनीता उर्फ़ संगीता मंडावी माड़ डिवीजन के कुतुल एलओएस में सक्रीय थी. मौके से हथियार और विस्फोटक सामग्री बरामद की गई है। प्रदेश में नक्सलियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई जारी है. इसी कड़ी में पुलिस ने बड़ी कोहकामेटा थाना क्षेत्र में बड़ी सफलता हासिल की. दो महिला नक्सली पारो हपका और सुनीता उर्फ़ संगीता मंडावी को गिरफ्तार किया गया. दोनों माड़ डिवीजन के कुतुल एलओएस में एक्टिव थी. वहीं लंबे वक्त से जनताना सरकार के विस्तार, युवाओं की भर्ती, माओवाद के प्रचार और पुलिस पर हमले की साजिशों में शामिल थी.

कांकेर में कोरोना से पहली मौत

कांकेर, 9 जुलाई (हाईवे चैनल)। जिले में सोमवार रात इलाज के दौरान कोरोना मरीज की मौत हो गई. साल 2025 में कोरोना से मौत की जिले में यह पहली घटना है। जानकारी के अनुसार, कोंडागांव जिले के फरसगांव निवासी 48 वर्षीय मरीज को पिछले सप्ताह कांकेर अस्पताल इलाज के लिए भर्ती कराया गया था. मरीज को लीवर से संबंधित गंभीर बीमारी थी, जिसका इलाज कांकेर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में चल रहा था।

चूहा- सुनती हो, इजराइल डोनाल्ड ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित कर दिया है।
चुहिया- हां जी, विदेशी सरकारें भी आपस में अच्छा मजाक कर लेती हैं।

शिवनाथ उफान पर, मोंगरा बैराज लबालब, पानी छोड़ा गया

दुर्ग/भिलाई/ राजनांदगांव, 9 जुलाई (हाईवे चैनल)। पिछले तीन दिनों से हो रही बारिश से पूरा जिला तरबतर हो गया. वनांचल में झमाझम बारिश के चलते अंबागढ़ चौकी स्थित मोंगरा बैराज लबालब हो गया है. बैराज से शिवनाथ में 52 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है. इससे शिवनाथ नदी उफान पर है. बाढ़ की स्थिति को देखते हुए प्रशासन द्वारा निचली बस्तियों में अलर्ट जारी किया गया है. इसके अलावा प्रशासन ने आपदा प्रबंधन की टीम को भी अलर्ट मोड में रहने निर्देशित किया है. लगातार बारिश से खेत-खलिहान से लेकर छोटी-बड़ी नदियां व रपटा में पानी का बहाव बढ़ गया है. तीन प्रमुख बैराजों में भी पर्याप्त जलभराव हो गया है. इसके चलते लोगों नदी किनारे जाने से बचने और सेल्फी और रील आदि बनाने के लिए खतरा मोल नहीं लेने की गाइडलाइन जारी किया गया है. बता दें कि नदी में बाढ़ की स्थिति निर्मित होने के बाद मोहारा सहित शिवनाथ नदी की अन्य घाटों में मंगलवार को सुबह से शाम तक लोगों की अच्छी-खासी भीड़ रही.

बड़ोदरा में महिसागर नदी पर बना पुल ढहा कई वाहन नदी में गिरे; 9 लोगों की मौत

नई दिल्ली, 9 जुलाई (न्यूज चैनल)। गुजरात के वडोदरा जिले में बुधवार सुबह एक चार दशक पुराने पुल का हिस्सा ढह जाने से कई वाहन नदी में गिर गए। जिसमें नौ लोगों की मौत हो गई। बचाव दल ने छह अन्य को बचा लिया गया। बचाव अभियान जारी है। यह पुल बुधवार सुबह करीब 7.30 बजे ढहा। गौरतलब है कि 900 मीटर लंबा यह गंभीरा पुल वडोदरा और आणंद जिलों को जोड़ता है।

बड़ोदरा कलेक्टर अनिल धमेलिया ने कहा, घटना के बाद स्थानीय तैराक, नावें और नगर निगम की टीमें तुरंत मौके पर पहुँच गईं। आपातकालीन प्रतिक्रिया केंद्र, एनडीआरएफ की टीमें और अन्य प्रशासनिक व पुलिस टीमें मौके पर मौजूद हैं। बचाव अभियान जारी है। हमने अब तक 9 शव बरामद किए हैं। 5 लोग घायल हैं, एक छठा घायल व्यक्ति अभी-अभी मिला है और उसे चिकित्सा सहायता प्रदान की जा रही है। उन्होंने बताया कि यह पुल वर्ष 1985 में बनाया गया था और समय-समय पर इसकी मरम्मत और रखरखाव का कार्य होता रहा है। इस हादसे के पीछे की असल वजह की जांच की जाएगी। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने तकनीकी विशेषज्ञों की टीम को घटनास्थल पर भेजने और पुल गिरने के कारणों की जांच करने के निर्देश दिए हैं। शुरुआती जानकारी के अनुसार, दो ट्रक, एक बोलेरो एसयूवी और एक पिकअप वैन सहित चार वाहन पुल पार कर रहे थे, तभी अचानक यह ढह गया और कई वाहन महिसागर नदी में गिर गए।

हाईकोर्ट ने छत्तीसगढ़ में भांग की खेती को वैध करने की याचिका की खारिज

कहा- नीति तय करना सरकार का काम

बिलासपुर, 9 जुलाई (हाईवे चैनल)। हाईकोर्ट ने छत्तीसगढ़ में भांग की व्यावसायिक खेती की वकालत करते हुए दायर की गई जनहित याचिका को खारिज कर दिया है. कोर्ट ने कहा कि कोई भी जनहित याचिका तब तक नहीं चलेगी जब तक कि इसमें व्यक्तिगत हित शामिल है. मामले की सुनवाई चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस बीडी गुरु की डीबी में हुई. याचिकाकर्ता एस. ए. काले ने जनहित याचिका दायर कर प्रतिवादी अधिकारियों को छत्तीसगढ़ के नागरिकों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए 'गोल्डन प्लांट' भांग के आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय लाभों का दोहन करने सकारात्मक दृष्टिकोण रखते हुए तत्काल कार्रवाई करने का निर्देश देने की मांग की. याचिकाकर्ता ने व्यक्तिगत रूप से बताया कि उन्होंने 22.02.2024 को सभी संबंधित अधिकारियों को व्यक्तिगत रूप से ज्ञापन देकर पावती ली है. लेकिन, प्रतिवादियों द्वारा अब तक एक भी सामान्य या विशिष्ट कार्रवाई नहीं की गई है, जिसमें याचिकाकर्ता को जवाब देना भी शामिल है. इसके अलावा, उक्त प्रतिनिधित्व में, उन्होंने 'गोल्डन प्लांट' के कई लाभों पर प्रकाश डाला है, जो कई शोधों और सरकारी रिपोर्टों द्वारा समर्थित हैं. यह दर्शाता है कि इस 'गोल्डन प्लांट' में छत्तीसगढ़ के किसानों के लिए 'नई पीढ़ी की सोने की खान' होने की क्षमता है. उन्होंने आगे तर्क दिया कि नारकोटिक्स और साइकोट्रोपिक पदार्थ अधिनियम, 1985 (एनडीपीएस अधिनियम) के अनुसार बागवानी और औद्योगिक उपयोगों के लिए भांग की बड़े पैमाने पर खेती भारतीय कानून द्वारा अनुमत है.

आज राष्ट्रव्यापी आम हड़ताल, श्रमिक संगठनों ने पूर्व संध्या निकाली थी मशाल रैली

रायपुर, 9 जुलाई (हाईवे चैनल)। केंद्र सरकार की श्रमिक व किसान विरोधी नीतियों के खिलाफ 9 जलाई को आहूत श्रमिकों की देशव्यापी आम हड़ताल की पूर्व संध्या कल राजधानी में मशाल रैली निकाली गई। ट्रेड यूनियनों के संयुक्त मंच के आव्हान पर आज संगठित व असंगठित क्षेत्र से जुड़े सैकड़ों लोगों ने कर्मचारी भवन बुढ़ापारा से रैली निकाली। रैली शहर के प्रमुख मार्गो का भ्रमण करती हुई वापस कर्मचारी भवन में पहुंचकर आमसभा में परिवर्तित हो गई । इसे संबोधित करते हुए मंच के संयोजक का. धर्मराज महापात्र ने कहा कि कल की हड़ताल में 20 करोड़ से अधिक मेहनतकश जनता शामिल होने जा रही है। बैंक, बीमा, पोस्टल, टेलीकॉम, रेलवे, स्टील, कोयला क्षेत्र सहित राज्य शासन व केंद्र सरकार कर्मियों तथा असंगठित क्षेत्र के श्रमिक इस हड़ताल में शामिल हो रहे है । नई श्रम संहिताओं को थोपे जाने, निजीकरण, ठेकाकरण, आउट सोर्सिंग, ट्रेड यूनियन अधिकारों पर हमले,सांप्रदायिकता, संविधान पर हमलों, महंगाई, बेरोजगारी, किसानों को फसल का उचित मूल्य देने सहित केंद्र सरकार की जन विरोधी नीतियों के खिलाफ देश के इंटक, सीटू, एटक, एच एम एस, ऐक्टू सहित प्रमुख 10 केंद्रीय श्रम संगठनों व 100 से अधिक श्रमिक एवं जन संगठनों ने इस हड़ताल का आव्हान किया है । संयुक्त किसान मोर्चा ने भी इस हड़ताल का समर्थन किया है । उन्होंने जानकारी दी कि रायपुर के तमाम मेहनतकश अपने कार्य स्थलों में हड़ताल करने के पश्चात एल आई सी के पंडरी स्थित मंडल कार्यालय में आयोजित संयुक्त सभा में शिरकत करेंगे जहां हड़ताल से संबंधित मुद्दों पर नेतागण विस्तार से अपनी बात रखेंगे । कल दोपहर अम्बेडकर चौक मे इस हड़ताल के पक्ष में वामपंथी पार्टियों का प्रदर्शन भी होगा । पूरे प्रदेश में हड़ताल की व्यापक तैयारियां की गई है । उन्होंने सरकारी क्षेत्र में तत्काल नई भर्ती आरम्भ करने, न्यूनतम वेतन 26000 रूपये प्रतिमाह करने, महंगाई व बेरोजगारी पर रोक लगाने, पुरानी पेंशन योजना बहाल करने, प्रस्तावित बीमा संशोधन विधेयक पर रोक लगाने, वित्तीय क्षेत्रों में एफ डी आई और निजीकरण पर रोक लगाने, सरकारी व सार्वजनिक क्षेत्रों को बचाए रखने, धर्म व जाति के नाम पर जारी फसादों पर रोक लगाने, संविधान को बदल देने की मुहिम पर रोक लगाने, श्रम संहिताओं को वापस लेने, 35 घंटे का कार्य सप्ताह लागू करने, महिलाओं - दलितों व अल्पसंख्यकों पर जारी उत्पीड़न को रोक लगाने की मांग करते हुए आम जनता से इस हड़ताल को समर्थन देने की अपील की । आज की मशाल रैली में सीटू महासचिव एम के नंदी, सुरेन्द्र शर्मा, राजेश पराते, नवीन गुप्ता, संदीप सोनी, अनुसुइया ठाकुर, ज्योति पाटिल, धार्मिणी सोनवानी, शिरीष नलगुंडवार, जे एस नशकर, अतुल देशमुख, वी एस बघेल, गजेन्द्र पटेल, राजेश अवस्थी, ऋषि मिश्रा, डी सी पटेल, सुभाष साहू, ललित वर्मा, दुलाल मजूमदार, श्रीकांत पेंढारकर, पूनम साहू प्रमुख रूप से शामिल थे। बैंक, बीमा, पोस्टल, टेलीकॉम, बीमा पेंशनर्स, सीटू, एस एफ आई राज्य सरकार व केंद्र सरकार से जुड़े श्रम संगठनों के कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया ।